

**अनुदान संख्या 95 - अंतरिक्ष विभाग**  
**GRANT No. 95 - DEPARTMENT OF SPACE**

		कुल अनुदान या विनियोग Total grant or appropriation	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत— Saving -
		(हजार रुपयों में) (In thousands of rupees)		
<b>राजस्व:</b>	<b>Revenue:</b>			
प्रभारित—	Charged -	60,00	3,86	-56,14
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year			शून्य Nil
स्वीकृत—	Voted-			
मूल	Original	6186,50,00		
		6772,83,00	6320,08,99	-452,74,01
पूरक	Supplementary	586,33,00		
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year			231,99,29
<b>पूंजीगत:</b>	<b>Capital:</b>			
प्रभारित—	Charged -	40,00	5,25	-34,75
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year			शून्य Nil
स्वीकृत—	Voted-			
मूल	Original	6356,41,00		
		6356,43,00	4406,59,47	-1949,83,53
पूरक	Supplementary	2,00		
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year			1920,91,91

**टीका और टिप्पणियां**

**Notes and comments**

1. अनुदान के राजस्व भाग के प्रभारित अंश में, ग्यारह शीर्षों के अंतर्गत ₹ 50.00 लाख का विनियोग पूरी तरह से अप्रयुक्त रहा।

1. In the *charged* portion of the revenue section of the grant, *appropriation* of ₹50.00 lakhs remained wholly unutilized under eleven heads.

2. अनुदान के राजस्व भाग में स्वीकृत अंश में समग्र बचतें (₹45274.01 लाख) दिसम्बर, 2023 और फ़रवरी, 2024 में

2. In the voted portion of the revenue section of the grant, the overall savings (₹45274.01 lakhs)

प्राप्त किए गए ₹58633.00 लाख के पूरक अनुदान का 77 प्रतिशत थीं और कुल स्वीकृत प्रावधान का 7 प्रतिशत थीं।

constituted 77 percent of the supplementary grants of ₹58633.00 lakhs obtained in December, 2023 and February, 2024 and 7 percent of the total sanctioned provision.

बचतें/अधिक व्यय निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत हुईं/हुए:-

Savings/excess occurred under the following major heads:-

शीर्ष	Head	कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत- Saving -
मुख्य शीर्ष "3451"	Major Head "3451"			
सचिवालय – आर्थिक सेवाएं	Secretariat-Economic Services			
मू.	O.	15400.00		
पु.	R.	-1345.75	14054.25	-435.42
मुख्य शीर्ष "3402"	Major Head "3402"			
अंतरिक्ष अनुसंधान	Space Research			
मू.	O.	603250.00		
पू.	S.	58633.00	640029.46	-21639.30
पु.	R.	-21853.54		

(लाख रुपयों में)

(In lakhs of rupees)

(I) तीन शीर्षों के अंतर्गत – ₹5115.00 लाख का प्रावधान पूरी तरह से अप्रयुक्त रहा, जिसमें से ₹5000.00 अकेले मुख्य शीर्ष "3402" – "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी – लांचिंग सेवाओं के प्रबंधन के लिए पी. एस. ई को सेवा शुल्क" – इसरो द्वारा विकसित लांच व्हिकल प्राप्त करने के लिए डिमांड एग्रीगेटर के रूप में अधिकृत मैसर्स एन. एस. आई. एल से कम मात्रा में मांग प्राप्त होने के कारण लेखाबद्ध रहा।

(I) Provision of ₹5115.00 lakhs remained wholly unutilized under three heads; of these ₹5000.00 lakhs alone accounted for under Major Head "3402" - "Space Technology - Service Charges to PSEs for managing Launch Services" - due to less demand from M/s NSIL authorized as demand aggregator to acquire launch vehicles developed by ISRO.

(II) मुख्य शीर्ष "3402" के अंतर्गत प्राप्त पूरक अनुदान निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत प्रत्येक के समक्ष नीचे दर्शाये अनुसार पूरी तरह से अप्रयुक्त रहा:-

(II) Supplementary grant obtained under Major Head "3402" - remained wholly unutilized under the following heads as shown against each:-

(का) “अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी – इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी” – ₹12200.00 लाख का मूल प्रावधान ₹675.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके ₹12875.00 लाख तक बढ़ाया गया। तथापि, वेतन, प्रचालन व्यय तकनीकी सुविधाओं के लिए व्यय, अवसंरचनागत, सिविल कार्य के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने और पूंजीगत खरीद संबंधी आपूर्ति को स्थगित किए जाने के कारण ₹1343.63 लाख (पूरक अनुदान सहित) की बचत हुई।

(खा) “अंतरिक्ष विज्ञान – राष्ट्रीय वायुमंडलीय अनुसंधान प्रयोगशाला” – ₹4469.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹455.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके ₹4924.00 लाख तक बढ़ाया गया। तथापि, स्वायत्तशासी निकायों के संचालन संबंधी व्यय के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने और पूंजीगत मदों और कल पुर्जों की सुर्पुदगी में देरी होने के कारण ₹640.16 लाख (पूरक अनुदान सहित) की बचत हुई।

(III) मुख्य शीर्ष “3402” के अंतर्गत प्राप्त किया गया पूरक अनुदान निम्नलिखित शीर्षों के तहत उनके समक्ष दर्शायी गई सीमा तक अप्रयुक्त रहा:-

(का) “अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी” –

(क) “विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र” – ₹135990.00 लाख का मूल प्रावधान ₹12119.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके ₹148109.00 लाख तक बढ़ाया गया, जो तथापि, सामग्रियों की खरीद में विलंब होने, कम संख्या में वाहनों को किराये पर लेने और ईंधन खपत में कमी होने के कारण ₹751.77 लाख की सीमा तक अप्रयुक्त रहा।

(ख) “इसरो जड़त्वीय प्रणाली इकाई” – ₹2500.00 लाख का मूल प्रावधान ₹1000.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके ₹3500.00 लाख तक बढ़ाया गया, जो तथापि, समझौता ज्ञापनों को अंतिम रूप देने में विलंब होने, कम संख्या में प्रकाशनों को प्रकाशित किए जाने और आपूर्तियों और सामग्रियों

(A) “Space Technology - Indian Institute of Space Science & Technology” - the original provision of ₹12200.00 lakhs was augmented to ₹12875.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹675.00 lakhs. However, there was a saving of ₹1343.63 lakhs (including supplementary grant) - due to requirement of less funds towards salaries, operational expenses, expenditure for technical facilities, infrastructure, civil works and postponement of supplies towards capital procurement.

(B) “Space Sciences - National Atmospheric Research Laboratory” - the original provision of ₹4469.00 lakhs was augmented to ₹4924.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹455.00 lakhs. However, there was a saving of ₹640.16 lakhs (including supplementary grant) - due to requirement of less funds towards operational expenses for autonomous bodies and delay in delivery of capital items and spare parts.

(III) Supplementary grant obtained under Major Head “3402” - remained unutilized under the following heads to the extent as shown against each:-

(A) “Space Technology” -

(a) “Vikram Sarabhai Space Centre” - the original provision of ₹135990.00 lakhs was augmented to ₹148109.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹12119.00 lakhs which, however, remained unutilized to the extent of ₹751.77 lakhs - due to delay in procurement of materials and reduction in hiring of vehicles and fuel consumption.

(b) “ISRO Inertial Systems Unit” - the original provision of ₹2500.00 lakhs was augmented to ₹3500.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹1000.00 lakhs which, however, remained unutilized to the extent of ₹251.23 lakhs - due to delay in

के लिए कम मात्रा में निधियों की आवश्यकता होने के कारण ₹251.23 लाख की सीमा तक अप्रयुक्त रहा।

(ग) “आई. एस. आर. ओ. टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमान नेटवर्क” – ₹23498.00 लाख का मूल प्रावधान ₹7962.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके ₹31460.00 लाख तक बढ़ाया गया, जो तथापि, भत्तों, छात्रवृत्तियों, ट्रांसपोंडर किराया शुल्क, आपूर्तियों और सामग्रियों, योजनागत कार्यकलापों का पुनर्निर्धारण किए जाने के कारण तुच्छ सिविल और वैद्युत कार्यों के लिए कम मात्रा में निधियों की आवश्यकता होने और संपत्ति कर में कटौती किए जाने के कारण ₹1910.14 लाख की सीमा तक अप्रयुक्त रहा।

(घ) “आई. एस. आर. ओ. – प्रोपल्शन कम्प्लेक्स” – ₹27971.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹2226.10 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके ₹30197.10 लाख तक बढ़ाया गया, जो तथापि, वेतन, मजदूरी, चिकित्सा व्यय, आपूर्तियों और सामग्रियों, मरम्मत और रखरखाव के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने, प्रिंटिंग और प्रचार सामग्री में कटौती किए जाने, सी. आई. एस. एफ. कर्मियों की तैनाती शुल्क में कमी होने और अनुमोदन लंबित रहने के कारण सिविल निविदा कार्य के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण ₹823.52 लाख की सीमा तक अप्रयुक्त रहा।

(ङ) “मास्टर कंट्रोल सुविधा केंद्र” – ₹11199.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹844.10 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके ₹12043.10 लाख तक बढ़ाया गया, जो तथापि, भरती होने में देरी होने के कारण वेतन, भत्तों, एल. टी. सी. और प्रशिक्षण व्यय के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने, आपूर्तियों और सामग्रियों, लघु सिविल और वैद्युत कार्यों और भवनों की खरीद के लिए समय सारणी निर्धारित किए जाने के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण ₹645.79 लाख की सीमा तक अप्रयुक्त रहा।

finalization of MoUs, less publications and requirement of less funds towards supplies and materials.

(c) “ISRO Telemetry, Tracking & Command Network” - the original provision of ₹23498.00 lakhs was augmented to ₹31460.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹7962.00 lakhs which, however, remained unutilized to the extent of ₹1910.14 lakhs - due to requirement of less funds towards allowances, scholarships, transponder hiring charges, supplies and materials, minor civil and electrical works owing to reschedule of planned activities and reduction of property tax.

(d) “ISRO Propulsion Complex” - the original provision of ₹27971.00 lakhs was augmented to ₹30197.10 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹2226.10 lakhs which, however, remained unutilized to the extent of ₹823.52 lakhs - due to requirement of less funds towards salaries, wages, medical expenses, supplies and materials, repair and maintenance, reduction in printing and publicity material, CISF deployment charges and civil tendering works owing to pending approval.

(e) “Master Control Facility” - the original provision of ₹11199.00 lakhs was augmented to ₹12043.10 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹844.10 lakhs which, however, remained unutilized to the extent of ₹645.79 lakhs - due to requirement of less funds towards salaries, allowances, LTC and training expenses owing to delay in recruitment, supplies and materials, minor civil and electrical works and realization schedule for purchase of buildings.

- (च) “भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन मुख्यालय” – ₹18644.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹4430.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके ₹23074.00 लाख तक बढ़ाया गया, जो तथापि, वेतन, प्रशिक्षण व्यय, टोनर और कार्टरेजों के प्रापण, आपूर्ति और सामग्रियों, लघु सिविल और वैद्युत कार्यों, मरम्मत और रखरखाव, संस्थानों और अकादमियों को अनुदान के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने, प्रत्याशित बिल प्राप्त नहीं होने, मोटर यानों की खरीद के लिए अनुमोदन लंबित रहने और विदेश मंत्रालय को जारी की गई एल. ओ. ए. व्यपगत हो जाने के कारण ₹3088.46 लाख की सीमा तक अप्रयुक्त रहा।
- (छ) “यू. आर. राव सेटेलाइट केंद्र” – ₹70291.00 लाख का मूल प्रावधान ₹3445.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके ₹73736.00 लाख तक बढ़ाया गया, जो तथापि, परियोजनाओं को संविदागत श्रमिकों का बंटवारा होने, इंधन और लुब्रिकेंट के उपयोग में कटौती होने और 18 एम एंटेना परियोजनाओं के लिए प्रत्याशित अग्रिम भुगतान फ़लीभूत नहीं होने के कारण ₹643.53 लाख की सीमा तक अप्रयुक्त रहा।
- (ज) “मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र” – ₹4799.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹788.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके ₹5587.00 लाख तक बढ़ाया गया, जो, तथापि, अधिप्राप्ति कार्यकलापों में देरी होने, वैज्ञानिक और तकनीकी स्टाफ़ की भर्ती को स्थगित किए जाने और विद्युत शुल्कों का अंतरण करने के लिए अनुमानित राशि फ़लीभूत नहीं हो पाने के कारण ₹425.25 लाख की सीमा तक अप्रयुक्त रहा।
- (ख) “अंतरिक्ष अनुप्रयोग” –
- (क) “अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र” – ₹66495.00 लाख का मूल प्रावधान ₹15873.00 लाख का पूरक अनुदान
- (f) “Indian Space Research Organisation Headquarters” - the original provision of ₹18644.00 lakhs was augmented to ₹23074.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹4430.00 lakhs which, however, remained unutilized to the extent of ₹3088.46 lakhs - due to requirement of less funds towards salaries, training expenses, procurement of toner cartridges, supplies and materials, minor civil and electrical works, repair and maintenance, grants to institutions and academia, non-receipt of anticipated bills, pending approvals for purchase of motor vehicle and LOA issued to MEA got lapsed.
- (g) “U R Rao Satellite Centre” - the original provision of ₹70291.00 lakhs was augmented to ₹73736.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹3445.00 lakhs which, however, remained unutilized to the extent of ₹643.53 lakhs - due to apportionment of contract manpower to projects, reduction in usage of fuel and lubricants and anticipated advance payment for 18m antenna project was not fructified.
- (h) “Human Spaceflight Centre” - the original provision of ₹4799.00 lakhs was augmented to ₹5587.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹788.00 lakhs which, however, remained unutilized to the extent of ₹425.25 lakhs - due to delay in procurement activities, postponement of recruitment of scientific & technical staff and amount projected towards transferring of electric charges could not be materialized.
- (B) “Space Applications” -
- (a) “Space Applications Centre” - the original provision of ₹66495.00 lakhs was

प्राप्त करके ₹82368.00 लाख तक बढ़ाया गया, जो, तथापि, प्रोत्साहनों, टोनर कार्टरेजों की खरीद, ट्रांसपोंडर किराया शुल्क और छात्रवृत्ति के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने, अनुमोदन न मिलने के कारण मैसर्स. एस. आई. एल. से बीजक प्राप्त नहीं होने के कारण ₹12083.63 लाख की सीमा तक अप्रयुक्त रहा।

augmented to ₹82368.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹15873.00 lakhs which, however, remained unutilized to the extent of ₹12083.63 lakhs - due to requirement of less funds towards incentives, procurement of toner cartridges, transponder hiring charges and scholarship and non-receipt of invoice from M/s NSIL owing to pending approval.

(ख) “राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रणाली” – ₹500.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹549.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके ₹1049.00 लाख तक बढ़ाया गया. जो, तथापि राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रणाली के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने, परियोजना के लिए कार्यशाला स्थगित होने और सी. एन. ए. मुद्दों के कारण सहायता अनुदान जारी किए जाने में विलंब होने के कारण ₹371.87 लाख की सीमा तक अप्रयुक्त रहा।

(b) “National Natural Resources Management System” - the original provision of ₹500.00 lakhs was augmented to ₹1049.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹549.00 lakhs which, however, remained unutilized to the extent of ₹371.87 lakhs - due to requirement of less funds towards National Natural Resources Management System projects, postponement of workshop for the project and delay in release of Grant-in-Aid owing to CNA issues.

(गा) “अंतरिक्ष विज्ञान – जलवायु और वायुमंडलीय कार्यक्रम” – ₹1200.00 लाख का मूल प्रावधान ₹626.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके ₹1826.00 लाख तक बढ़ाया गया, जो, तथापि छात्रवृत्ति, अन्य राजस्व व्यय, व्यवसायिक सेवाओं, यात्रा व्यय, परिचालन संबंधी व्यय के लिए कम मात्रा में निधियों की आवश्यकता होने, सी. एन. ए. के कार्यान्वयन में विलंब होने, सहायता अनुदान की दूसरी किस्त जारी नहीं किए जाने और उपकरण सहायक सामग्री की खरीद में विलंब होने के कारण ₹497.96 लाख की सीमा तक अप्रयुक्त रहा।

(C) “Space Sciences - Climate & Atmospheric Programme” - the original provision of ₹1200.00 lakhs was augmented to ₹1826.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹626.00 lakhs which, however, remained unutilized to the extent of ₹497.96 lakhs - due to requirement of less funds towards scholarships, other revenue expenditure, professional services, travel expenses, operational expenses, delay in implementation of CNA, non-release of Grant-in-Aid 2<sup>nd</sup> installment and delay in purchase of instrument accessories.

(IV) मुख्य शीर्ष “3451” – “सचिवालय – अंतरिक्ष विभाग” के अंतर्गत ₹1781.17 लाख की बचत (₹15400.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वेतन, प्रोत्साहनों, अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थ मामलों के लिए कम मात्रा में निधियों की आवश्यकता होने और मध्यस्थ बिल प्राप्त नहीं होने के कारण हुई।

(IV) Under Major Head “3451” - “Secretariat - Department of Space” - saving of ₹1781.17 lakhs (against the sanctioned provision of ₹15400.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards salaries, incentives, international arbitration cases and non-receipt of arbitration bills.

(V) मुख्य शीर्ष “3402” के अंतर्गत बचतें निम्नलिखित शीर्षों के तहत हुई:-

(का) “अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी” –

(क) “नेविगेशनल सेटेलाइट प्रणाली” – ₹513.12 लाख की बचत (₹2500.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) यात्रा संबंधी व्यय, परीक्षण कार्यकलापों, नेटवर्क सपोर्ट शुल्क और लांच में विलंब होने के कारण शिपमेंट संबंधी व्यय के लिए कम मात्रा में निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(ख) “भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और अधिकरण केंद्र” – ₹2379.84 लाख की बचत (₹4200.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वेतन, चिकित्सा व्यय, यात्रा संबंधी व्यय, परिचालन व्यय के लिए कम मात्रा में निधियों की आवश्यकता होने, कम संख्या में अर्हक एन. जी. ई. होने, उद्योग सम्मेलन स्थगित होने, विदेश मंत्रालय से प्रत्याक्षित विदेश यात्रा के बिल प्राप्त नहीं होने और स्टार्ट अप को अंतिम रूप देने में विलंब होने के कारण हुई।

(खा) “अंतरिक्ष अनुप्रयोग – विकास और शैक्षिक संचार एकक” – ₹1203.59 लाख की बचत (₹1702.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) विकास और शैक्षिक संचार एकक बंद होने और इसके व्यय को अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के साथ आमेलित किए जाने के कारण हुई।

(गा) “अंतरिक्ष विज्ञान – आर. ई. एस. पी. ओ. एन. डी.” – ₹1590.24 लाख की बचत (₹4000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सी. एन. ए. के कार्यान्वयन में विलंब होने, अनुमोदित अनुदान जारी नहीं किए जाने और कई अनुदान प्राप्त संस्थानों द्वारा अप्रयुक्त शेष राशि की प्रतिपूर्ति नहीं किए जाने के कारण हुई।

(घा) “भारतीय राष्ट्रीय सेटेलाइट प्रणाली” –

(V) Under Major Head “3402” - savings occurred under the following heads:-

(A) “Space Technology” -

(a) “Navigational Satellite System” - saving of ₹513.12 lakhs (against the sanctioned provision of ₹2500.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards travel expenses, testing activities, procurement activities, network support charges and shipment related expenditure owing to delay in launch.

(b) “Indian National Space Promotion and Authorisation Centre” - saving of ₹2379.84 lakhs (against the sanctioned provision of ₹4200.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards salaries, medical expenses, travel expenses, operational expenses, reduced number of qualifies NGEs, postponement of industry meet, non-receipt of expected foreign travel bills from MEA and delay in finalization for Start-ups.

(B) “Space Applications - Development & Educational Communication Unit” - saving of ₹1203.59 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1702.00 lakhs) was due to discontinuation of Development & Educational Communication Unit and merging its expenditure with Space Applications Centre.

(C) “Space Sciences - RESPOND” - saving of ₹1590.24 lakhs (against the sanctioned provision of ₹4000.00 lakhs) was due to delay in implementation of CNA, non-release of approved grant and non-refund of unspent balances by many grantee institutions.

(D) “Indian National Satellite System” -

- (क) “आई. एन. एस. ए. टी./जी. एस. ए. टी. ट्रांसपोंडरों को किराये पर देने के लिए सेवा शुल्क” – ₹6720.76 लाख की बचत (₹10000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) ट्रांसपोंडर किराया शुल्क के लिए पी. एस. ई से कम मात्रा में मांग प्राप्त होने और ट्रांसपोंडर किराया शुल्कों के लिए मैसर्स एन. एस. आई. एल. द्वारा अपेक्षित मांग पूरी नहीं करने के कारण हुई।
- (ख) “इंडियन डाटा रिले सेटेलाइट सीरीज” – ₹805.90 लाख की बचत (₹2580.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) यात्रा संबंधी व्यय, आई टी उपकरणों के लिए कम मात्रा में निधियों की आवश्यकता होने और लांच को अगले वित्तीय वर्ष तक के लिए स्थगित किए जाने के कारण हुई।
- (ग) “प्रौद्योगिकी प्रदर्शन स्पेसक्राफ्ट – 01” – ₹1133.20 लाख की बचत (₹1685.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) नेटवर्क सपोर्ट शुल्क के लिए कम मात्रा में निधियों की आवश्यकता होने, चिह्नित मदों की खरीद नहीं किए जाने और लांच संबंधी कार्यकलापों को स्थगित किए जाने के कारण हुई।
- (VI) चार शीर्षों के अंतर्गत ₹1429.35 लाख की बचतें हुईं जो प्रत्येक में ₹250.00 लाख से अधिक किंतु ₹500.00 लाख से कम थीं और स्वीकृत प्रावधान का 15 से 54 प्रतिशत थीं।
- 3.(I) उपर्युक्त बचतें आंशिक रूप से (₹1415.90 लाख) पुनर्विनियोग द्वारा प्रावधान बढ़ाने के लिए प्रयुक्त हो गईं जैसा कि फरवरी, 2024 में मुख्य शीर्ष “3402” – “अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र एस. एच. ए. आर. के अंतर्गत ₹1.00 लाख का सांकेतिक पूरक अनुदान प्राप्त करते समय संसद को पहले ही सूचित कर दिया गया था। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय, ₹1369.58 लाख हुआ।
- (II) एक शीर्ष के अंतर्गत ₹270.33 लाख का अधिक व्यय हुआ जो स्वीकृत प्रावधान का 35 प्रतिशत था।
- (a) “Service Charges for Leasing INSAT/GSAT Transponders” - saving of ₹6720.76 lakhs (against the sanctioned provision of ₹10000.00 lakhs) was due to less demand from PSEs towards transponder hiring charges and not meeting of anticipated demand by M/s NSIL towards transponder hiring charges.
- (b) “Indian Data Relay Satellite Series” - saving of ₹805.90 lakhs (against the sanctioned provision of ₹2580.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards travel expenses, IT equipments and postponement of launch to the next financial year.
- (c) “Technology Demonstration Spacecraft - 01” - saving of ₹1133.20 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1685.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards network support charges, non-procurement of identified items and postponement of launch related activities.
- (VI) Under four heads savings of ₹1429.35 lakhs occurred, each exceeding ₹250.00 lakhs but not exceeding ₹500.00 lakhs and constituting 15 percent to 54 percent of the sanctioned provision.
- 3.(I) The above savings were partly (₹1415.90 lakhs) utilized for augmenting the provision by re-appropriation as already reported to Parliament while obtaining token supplementary grant of ₹1.00 lakh under Major Head “3402” - “Space Technology - Satish Dhawan Space Centre-SHAR”. Actual excess, however, was ₹1369.58 lakhs.
- (II) Under one head excess of ₹270.33 lakhs occurred constituting 35 percent of the sanctioned provision.

4. अनुदान के पूंजीगत भाग में बचतें/अधिक व्यय निम्नलिखित शीष के अंतर्गत हुई/हुए:-

4. In the capital section of the grant, savings/excess occurred under the following head:-

कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत- Saving -
		(लाख रुपयों में) (In lakhs of rupees)

शीष Head	Head	
मुख्य शीष "5402"	Major Head "5402"	
अंतरिक्ष अनुसंधान पर पूंजीगत परिव्यय	Capital Outlay on Space Research	
मू.	O.	635641.00
पू.	S.	2.00
पु.	R.	-192091.91

443551.09	440659.47	-2891.62
-----------	-----------	----------

(I) तीन शीषों के अंतर्गत - ₹342.15 लाख का प्रावधान (दिसम्बर, 2023 में प्राप्त किए गए ₹0.15 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित) पूरी तरह से अप्रयुक्त रहा।

(I) Provision of ₹342.15 lakhs (including token supplementary grant of ₹0.15 lakh obtained in December, 2023) remained wholly unutilized under three heads.

(II) मुख्य शीष "5402" के अंतर्गत - बचतें निम्नलिखित शीषों के तहत हुई:-

(II) Under Major Head "5402" - savings occurred under the following heads:-

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" -

(A) "Space Technology" -

(क) "विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र" - ₹8788.58 लाख की बचत (₹34965.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) मशीनरी और उपकरणों, आई. सी. टी. उपकरण, की आपूर्ति और संस्थापना में देरी होने, उच्च मूल्य वाली मदों की खरीद और वाहनों की भूमि पर कीमत अनुमान की तुलना में कम होने के कारण हुई।

(a) "Vikram Sarabhai Space Centre" - saving of ₹8788.58 lakhs (against the sanctioned provision of ₹34965.00 lakhs) was due to delay in supply and installation of machinery and equipment, ICT equipment, procurement of high value items and less landed cost of motor vehicle than estimated.

(ख) "इसरो इनर्शियल सिस्टम्स यूनिट" - ₹1390.01 लाख की बचत (₹3500.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वाहनों की खरीद को स्थगित किए जाने, मशीनरी और उपकरणों की प्रदायगी में देरी होने, अर्वरों और वर्क स्टेशनों को साकार रूप देने में विलंब होने, उच्च मूल्य की मदों की खरीद और विभिन्न सुविधा केंद्रों के लिए

(b) "ISRO Inertial Systems Unit" - saving of ₹1390.01 lakhs (against the sanctioned provision of ₹3500.00 lakhs) was due to postponement of procurement of vehicles, delay in delivery of machinery and equipment, realization of servers and workstations, procurement of high value

फिक्सचर की अदायगी में देरी होने के कारण हुई।

- (ग) “लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम केंद्र” – ₹8344.43 लाख की बचत (₹25147.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वाहनों, उच्च मूल्य की मदों, कंप्यूटर हार्डवेयर और टेलीफोन एक्सचेंज उपकरणों की खरीद में विलंब होने, सी. आई. एस. एफ. द्वारा खरीद में कटौती किए जाने, नए मोनोप्रोपेलेंट थ्रस्ट फैसिलिटी, रोटरी मैनिपुलेटर, लेजर कटिंग मशीन के अनुमानित भुगतान को अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने के कारण हुई।
- (घ) “इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स प्रणालियों के लिए प्रयोगशाला” – ₹1068.58 लाख की बचत (₹2400.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वाहनों की खरीद को स्थगित किए जाने, अधिक मूल्य की मदों की शिपमेंट में देरी होने और आई. सी. टी उपकरणों की खरीद में देरी होने के कारण हुई।
- (ङ) “सतीश धवन अंतर्दृष्टि केंद्र (एस. एच. ए. आर.)” – ₹6798.16 लाख की बचत (₹26000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वाहनों की खरीद में देरी होने और खरीद समय सारणी को अगले वित्तीय वर्ष तक के लिए शिफ्ट किए जाने के कारण हुई।
- (च) “आई. एस. आर. ओ. टेलीमेट्री, ट्रेकिंग और कमांड नेटवर्क” – ₹7356.21 लाख की बचत (₹12400.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वाहनों, फर्नीचर और फिक्सचर खरीद में विलंब होने और जी. टी. ई. दिशानिर्देशों के कारण खरीद कार्यक्रमों में देरी होने के कारण हुई।
- (छ) “पोलर सेटेलाइट लांच व्हिकल – कंटीन्यूएशन परियोजना” – ₹1739.56 लाख की बचत (₹9910.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) उपकरण की खरीद के लिए कार्यक्रम स्थगित किए जाने, औद्योगिक पी. सी. की प्रदायगी में विलंब होने
- items and delivery of fixtures for various facilities.
- (c) “Liquid Propulsion Systems Centre” - saving of ₹8344.43 lakhs (against the sanctioned provision of ₹25147.00 lakhs) was due to delay in procurement of vehicles, high value items, computer hardware and telephone exchange equipments, reduction of procurement by CISF and postponement of anticipated payments for new Monopropellant Thrust Facility, Rotary manipulator, Laser cutting machine to the next financial year.
- (d) “Laboratory for Electro-Optics Systems” - saving of ₹1068.58 lakhs (against the sanctioned provision of ₹2400.00 lakhs) was due to postponement of procurement of vehicles, delay in shipment of major value items and procurement of ICT equipments.
- (e) “Satish Dhawan Space Centre-SHAR” - saving of ₹6798.16 lakhs (against the sanctioned provision of ₹26000.00 lakhs) was due to delay in procurement of vehicles and shifting of delivery schedule to the next financial year.
- (f) “ISRO Telemetry, Tracking and Command Network” - saving of ₹7356.21 lakhs (against the sanctioned provision of ₹12400.00 lakhs) was due to delay in procurement of vehicles, furniture and fixtures and delay in procurement activities owing to GTE guidelines.
- (g) “Polar Satellite Launch Vehicle - Continuation Project” - saving of ₹1739.56 lakhs (against the sanctioned provision of ₹9910.00 lakhs) was due to postponement of procurement actions for the equipment,

और सिविल निर्माण कार्य का अनुमोदन चक्र पूरा नहीं होने के कारण हुई।

- (ज) “जी. एस. एल. वी. कंटीनुएशन प्रोजेक्ट” – ₹4654.28 लाख की बचत (दिसम्बर, 2023 में प्राप्त किए गए ₹0.10 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹14768.10 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) भंडार सुविधा नहीं होने के कारण प्रोपेलेंट की खरीद को स्थगित किए जाने के कारण हुई।
- (झ) “नेविगेशन सेटेलाइट प्रणाली” – ₹9754.12 लाख की बचत (₹16515.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) स्पेस क्राफ्ट फिक्चर की खरीद को स्थगित किए जाने और संशोधित लांच मैनिफेस्ट के आधार पर आई. आर. एन. एस. एस. 1के और आई. आर. एन. एस. एस. 1एल को मूर्त रूप दिए जाने में विलंब होने के कारण हुई।
- (ञ) “मानव मिशन पहल/मानवीय अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम (गगनयान)” – ₹13841.49 लाख की बचत (₹11750.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) मशीनों और उपकरणों की खरीद को स्थगित किए जाने, प्रोपेलेंट टैंक, मोटर उपकरण की खरीद में देरी होने और ई. सी. एल. एस. एस. सुविधा पूरी तरह से तैयार होने में विलंब होने के कारण हुई।
- (ट) “सेमी क्रायोजनिक इंजन विकास” – ₹7622.80 लाख की बचत (₹9900.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) उच्च मूल्य की मदों की प्रदायगी में विलंब होने के कारण हुई।
- (ठ) “ओशनसेट 3 और 3ए” – ₹2068.35 लाख की बचत (₹3818.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) इलेक्ट्रॉनिक घटकों, पेलोड डिटेक्टरों और परीक्षण उपकरणों की अदायगी में विलंब होने के कारण हुई।
- (ड) “आई. एस. आर. ओ. प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स” – ₹4837.28 लाख की बचत (₹20024.00 लाख के
- delay in delivery of industrial PCs and non-completion of approval cycle for civil works.
- (h) “GSLV Continuation Project” - saving of ₹4654.28 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹14768.10 lakhs including token supplementary grant of ₹0.10 lakh obtained in December, 2023) was due to postponement of procurement of propellant owing to lack of storage facility.
- (i) “Navigation Satellite System” - saving of ₹9754.12 lakhs (against the sanctioned provision of ₹16515.00 lakhs) was due to postponement of procurement of spacecraft fixtures and delay in realization of IRNSS-1K and IRNSS-1L subsystems based on revised launch manifest.
- (j) “Manned Mission Initiatives/Human Space Flight Programme (Gaganyaan)” - saving of ₹13841.49 lakhs (against the sanctioned provision of ₹117550.00 lakhs) was due to postponement of procurement of machinery and equipment, delay in procurement of propellant tankages, motor segments and completion of ECLSS facility.
- (k) “Semi Cryogenic Engine Development” - saving of ₹7622.80 lakhs (against the sanctioned provision of ₹9900.00 lakhs) was due to delay in delivery of high value items.
- (l) “Oceansat-3 & 3A” - saving of ₹2068.35 lakhs (against the sanctioned provision of ₹3818.00 lakhs) was due to delay in delivery of electronic components, payload detectors and test equipments.
- (m) “ISRO Propulsion Complex” - saving of ₹4837.28 lakhs (against the sanctioned

स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वाहनों की खरीद नहीं होने, सेमी कंडक्टर कोल्ड फ़्लो टेस्ट फ़ैसिलिटी के संवर्धन, उच्च मूल्य की मदों और जी. ई. एम. के माध्यम से खरीद को मूर्त रूप नहीं दिए जाने के कारण हुई।

(ढ) “ट्राइसोनिक विंड टनल फ़ैसिलिटी प्रोजेक्ट” – ₹1574.46 लाख की बचत (₹3487.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) आवश्यकता के आधार पर खरीद को अगले वित्तीय वर्ष तक के लिए स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(ण) “रिसैट 1बी” – ₹1067.24 लाख की बचत (₹9552.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) परीक्षण उपकरण की प्रदायगी में विलंब होने और पेलोड घटकों की प्रदायगी अगले वित्तीय वर्ष तक स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(त) “मास्टर कंट्रोल फ़ैसिलिटी” – ₹3692.10 लाख की बचत (फ़रवरी, 2024 में प्राप्त किए गए ₹0.45 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹12500.45 लाख के कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वाहनो, मशीनो और उपकरणों की खरीद को स्थगित किए जाने और एंटेना प्रणालियों की प्रदायगी में विलंब होने और व्यय को विस्तारित किए जाने के कारण हुई।

(थ) “भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन मुख्यालय” – ₹514.66 लाख की बचत (₹1545.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सी. आई. एस. एफ़. से शस्त्रों और गोला बारूद के लिए दावे प्राप्त नहीं होने, लाइब्रेरी व्यय का वर्गीकरण किए जाने और क्लाउड प्रणाली की खरीद में देरी होने के कारण हुई।

(द) “रिसोर्ससैट 3एस और 3एस.ए.” – ₹718.85 लाख की बचत (₹3220.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई; और

provision of ₹20024.00 lakhs) was due to non-procurement of vehicles, delay in realization of augmentation of semiconductor cold flow test facility, high value items and procurement through GeM.

(n) “Trisonic Wind Tunnel Facility Project” - saving of ₹1574.46 lakhs (against the sanctioned provision of ₹3487.00 lakhs) was due to postponement of procurement to the next financial year based on the requirements.

(o) “Risat-1B” - saving of ₹1067.24 lakhs (against the sanctioned provision of ₹9552.00 lakhs) was due to delay in delivery of test equipments and postponement of delivery of payload components to the next financial year.

(p) “Master Control Facility” - saving of ₹3692.10 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹12500.45 lakhs including token supplementary grant of ₹0.45 lakh obtained in February, 2024) was due to postponement of procurement of vehicles, machinery and equipment, delay in delivery of antenna systems and spillover of expenses.

(q) “Indian Space Research Organisation Headquarters” - saving of ₹514.66 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1545.00 lakhs) was due to non-receipt of claims from CISF towards arms and ammunitions, reclassification of expenditure for library expenses and delay in procurement of Cloud systems.

(r) “Resourcesat-3S & 3SA” - saving of ₹718.85 lakhs (against the sanctioned provision of ₹3220.00 lakhs); and

(ध) “रिसोर्ससैट 3 और 3ए” – ₹2228.74 लाख की बचत (₹3700.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई।

उपर्युक्त बाईस शीर्षों के अंतर्गत बचतें ग्राउंड सपोर्ट उपकरणों की खरीद को स्थगित किए जाने और पेलोड उपकरणों की खरीद में विलंब होने होने के कारण हुई।

(न) “हाई रेज्यूलूशन सेटेलाइट कंस्टेलेशन” – ₹1019.37 लाख की बचत (₹1436.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) मशीनरी और उपकरणों की खरीद को स्थगित किए जाने और परियोजना को रोक देने के कारण हुई।

(प) “सेमी क्रायोजनिक स्टेज डेवलपमेंट” – ₹5918.69 लाख की बचत (₹15000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) उपकरणों और उच्च मूल्य की मदों की प्रदायगी में विलंब होने और टैंक तथा हार्डवेयर स्टोरेज फ़ैसिलिटी के लिए निविदा देने के कारण हुई।

(फ) “रीयूजेबल लांच व्हीकिल आर्बिटल रीएंट्री एक्सपेरीमेंट” – ₹8136.59 लाख की बचत (₹9923.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) जी. एस. 3 के डिजाइन में परिवर्तन किए जाने, कई उप प्रणालियों जैसे कि लैंडिंग गियर प्रणाली, डायफ्राम, डिजाइन माडिफिकेशन प्रणालियों के लिए आर. आई. ए. नई डिजाइन का विकास किए जाने, उपकरणों की प्रदायगी में विलंब होने, अन्य पूंजीगत व्ययों के लिए आकस्मिक राशि को स्थगित किए जाने, जी. ई. वी. व्यय में कमी हो जाने, डिजाइन में परिवर्तन करने, लैंडिंग समय बढ़ने और नया डिजाइन होने और कई उप-प्रणालियों को विकसित किए जाने के कारण हुई।

(ब) “पी. एस. एल. वी. एकीकरण सुविधा” – ₹3288.59 लाख की बचत (₹4000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) उपकरणों की प्रदायगी में

(s) “Resourcesat-3 & 3A” - saving of ₹2228.74 lakhs (against the sanctioned provision of ₹3700.00 lakhs).

Savings under the above two heads were due to postponement of procurement of ground support equipments and delay in procurement of payload components.

(t) “High Resolution Satellite Constellation” - saving of ₹1019.37 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1436.00 lakhs) was due to postponement of procurement of machinery and equipment and hold on project.

(u) “Semi Cryogenic Stage Development” - saving of ₹5918.69 lakhs (against the sanctioned provision of ₹15000.00 lakhs) was due to delay in delivery of equipments, high value items and tendering in respect of tank and hardware storage facility.

(v) “Reusable Launch Vehicle Orbital Re-entry Experiment” - saving of ₹8136.59 lakhs (against the sanctioned provision of ₹9923.00 lakhs) was due to modification of design for GS3, RIA new design development for many subsystems viz., landing gear systems, diaphragm, design modification systems, delay in delivery of equipments, postponement of contingency amount for Other Capital expenditure, short fall in GEV expenditure, Design modification, increase of lend time and new design and development of many subsystems.

(w) “PSLV Integration Facility” - saving of ₹3288.59 lakhs (against the sanctioned provision of ₹4000.00 lakhs) was due to

विलंब होने और सिविल निर्माण कार्य के लिए अंतिम बार समय विस्तार के लिए अनुमोदन लंबित रहने के कारण हुई।

(भ) “स्माल सेटेलाइट लांच व्हिकिल का विकास” – ₹2648.15 लाख की बचत (₹4654.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) उपकरणों की प्रदायगी में बिलंब होने, एविओनिक्स खरीद में विलंब के कारण कम आवश्यकता होने, लांच समय सारणी को अद्यतन किए जाने के कारण सालिड मोटर और सब असेंबलियों की इन हाउस प्रोसेसिंग एक्टिविटी के कार्यक्रम का पुनः निर्धारण हुआ।

(म) “यू. आर. राव सेटेलाइट केंद्र” – ₹8116.70 लाख की बचत (दिसम्बर, 2024 में प्राप्त किए गए ₹0.15 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹23000.15 लाख के कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सी. ए. टी. एफ़. पी. सी. और वर्क स्टेशनों के लिए बड़े भुगतानों को अगले वित्तीय वर्ष तक के लिए स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(य) “जी. एस. एल. वी. कंटीनुएशन कार्यक्रम (चरण 4)” – ₹9706.20 लाख की बचत (₹15300.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) उच्च मूल्य की वस्तुओं की खरीद में विलंब होने के कारण हुई।

(कक) “स्पेस आब्जेक्ट की ट्रैकिंग और विश्लेषण के लिए नेटवर्क” – ₹503.77 लाख की बचत (दिसम्बर, 2023 में प्राप्त किए गए ₹0.15 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹1690.15 लाख के कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) असम सरकार से भूमि के अंतरण में देरी होने और एफ़. ई. कंटेंट के मद्दे की गई वचनबद्धता के लिए विनिमय दर परिवर्तन की तुलना में अपेक्षाकृत रूप से कम होने के कारण हुई।

(कख) “एस. एस. एल. वी. के लिए लांच पैड” – ₹9963.22 लाख की बचत (₹10000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) चूंकि तमिलनाडु सरकार ने

delay in delivery of equipments and pending approval for final extension of time for civil works.

(x) “Small Satellite Launch Vehicle Development” - saving of ₹2648.15 lakhs (against the sanctioned provision of ₹4654.00 lakhs) was due to delay in delivery of equipments, reduced requirement towards delay in avionics procurement and fabrication and in-house processing activity schedule for Solid Motor and Subassemblies revised owing to update in the launch schedule.

(y) “U R Rao Satellite Centre” - saving of ₹8116.70 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹23000.15 lakhs including token supplementary grant of ₹0.15 lakh obtained in December, 2023) was due to postponement of milestone payments towards CATF, PCs and workstations to the next financial year.

(z) “GSLV Continuation Programme (Phase 4)” - saving of ₹9706.20 lakhs (against the sanctioned provision of ₹15300.00 lakhs) was due to delay in procurement of high value items.

(aa) “Network for Space Objects Tracking and Analysis” - saving of ₹503.77 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹1690.15 lakhs including token supplementary grant of ₹0.15 lakh obtained in December, 2023) was due to delay in transfer of land from Assam Government and the exchange rate variation for commitment made against FE content.

(ab) “Launch Pad for SSLV” - saving of ₹9963.22 lakhs (against the sanctioned provision of ₹10000.00 lakhs) was due to

थूटकुडि में भूमि के लिए कोई मांग नहीं रखी अतः अपेक्षाकृत कम राशि की आवश्यकता होने के कारण हुई।

reduced requirement as no demand has been raised by Government of Tamil Nadu towards land at Thootukudi.

(कग)“मानव अंतरिक्ष उडान केंद्र” – ₹1390.18 लाख की बचत (₹2500.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) मशीनरी और उपकरणों की खरीद को स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(ac) “Human Spaceflight Centre” - saving of ₹1390.18 lakhs (against the sanctioned provision of ₹2500.00 lakhs) was due to postponement of procurement of machinery and equipment.

(कघ)“आई. एस. आर. ओ. केंद्र में सामान्य सिविल निर्माण कार्य” – ₹16366.88 लाख की बचत (₹37930.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) आई. एस. आर. ओ. के सभी केंद्रों में सिविल निर्माण कार्य की धीमी प्रगति होने के कारण हुई।

(ad) “General Civil Works at ISRO Centres” - saving of ₹16366.88 lakhs (against the sanctioned provision of ₹37930.00 lakhs) was due to slow progress of civil works across ISRO centres.

(कड)“भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और अधिकरण केंद्र” – ₹1836.64 लाख की बचत (दिसम्बर, 2023 में प्राप्त किए गए ₹0.15 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹5300.15 लाख के कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) व्यय का पुनः वर्गीकरण किए जाने और सिविल निर्माण कार्य के प्रस्तावों को अंतिम रूप नहीं दिए जाने के कारण हुई।

(ae) “Indian National Space Promotion and Authorisation Centre” - saving of ₹1836.64 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹5300.15 lakhs including token supplementary grant of ₹0.15 lakh obtained in December, 2023) was due to reclassification of expenditure and non-finalization of proposal for civil works.

(खा) “अंतरिक्ष अनुप्रयोग” –

(B) “Space Applications” -

(क) “अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र” – ₹7913.44 लाख की बचत (₹28500.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) खरीद के कार्यकलापों को मंजूरी नहीं दिए जाने और एस. ए. एम. यू. डी. आर. ए. परियोजना के लिए उपकरणों की खरीद में विलंब होने के कारण हुई।

(a) “Space Applications Centre” - saving of ₹7913.44 lakhs (against the sanctioned provision of ₹28500.00 lakhs) was due to non-receipt of approvals for procurement activities and delay in procurement of equipment under SAMUDRA project.

(ख) “राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केंद्र” – ₹5050.28 लाख की बचत (₹16333.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) उपकरणों, हाई रेज्यूलूशन डाटा, आई. सी. टी उपकरणों की खरीद में विलंब होने, अनुसंधान और विकास कार्यकलापों को बंद करने और मोटर वाहनों की खरीद के लिए अनुमोदन लंबित रहने के कारण हुई।

(b) “National Remote Sensing Centre” - saving of ₹5050.28 lakhs (against the sanctioned provision of ₹16333.00 lakhs) was due to delay in procurement of instruments, high resolution satellite data, ICT equipments, closure of R&D activities, furnitures and pending approval for procurement for motor vehicles.

- (ग) “इंडियन इंस्टीट्यूट आफ रिमोट सेंसिंग” – ₹1050.18 लाख की बचत (₹1429.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) उच्च स्तरीय अनुसंधान और विकास उपकरणों की तकनीकी विशिष्टियों हेतु पुनरावृत्ति और आई. सी.टी. उपकरणों की खरीद के कारण हुई।
- (ग) “अंतरिक्ष विज्ञान” –
- (क) “जलवायु और वातावरणीय कार्यक्रम” – ₹564.20 लाख की बचत (₹800.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) परियोजना की आवश्यकता के आधार पर मशीनरी और उपकरणों और आई. सी. टी. उपकरणों की खरीद के लिए कम निधियों की आवश्यकत होने के कारण हुई।
- (ख) “स्पेस डाकिंग एक्सपेरिमेंट मिशन” – ₹776.54 लाख की बचत (₹1417.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) आर. एस. एल उपकरणों की खरीद को स्थगित किए जाने और ई. ई. ई. उपकरणों की प्रदायगी में देरी होने के कारण हुई।
- (घा) “भारतीय राष्ट्रीय सेटेलाइट प्रणाली” –
- (क) “जी. एस. ए. टी. 22/23/24 सेटेलाइट” – ₹6005.15 लाख की बचत (₹8580.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) परीक्षण कार्यकलापों और जी. एस. ए. टी. 22 उप प्रणालियों के निर्माण को स्थगित किए जाने के कारण हुई।
- (ख) “जी. एस. ए. टी. 30/31/12 सेटेलाइट” – ₹3084.46 लाख की बचत (₹4365.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सी. एफ़. आर. पी ट्यूबों की प्रदायगी में विलंब होने, एंटेना के लिए मेश के निर्माण और टी. टी. सी. पी. प्रणालियों की शिपमेंट को अगले वित्तीय वर्ष तक के लिए स्थगित किए जाने के कारण हुई।
- (ग) “इंडियन डाटा रिले सेटेलाइट सीरीज” – ₹6850.17 लाख की बचत (₹12420.00 लाख के स्वीकृत
- (c) “Indian Institute of Remote Sensing” - saving of ₹1050.18 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1429.00 lakhs) was due to iterations of technical specifications for high end R&D equipments and procurement of ICT equipments.
- (C) “Space Sciences” -
- (a) “Climate & Atmospheric Programme” - saving of ₹564.20 lakhs (against the sanctioned provision of ₹800.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards procurement of machinery and equipment and ICT equipments based on project requirement.
- (b) “Space Docking Experiment Mission” - saving of ₹776.54 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1417.00 lakhs) was due to postponement of procurement of RSL equipments and delivery slippage of EEE equipments.
- (D) “Indian National Satellite Systems” -
- (a) “GSAT-22/23/24 Satellites” - saving of ₹6005.15 lakhs (against the sanctioned provision of ₹8580.00 lakhs) was due to postponement of test activities and fabrication of GSAT-22 subsystems.
- (b) “GSAT-30/31/32 Satellites” - saving of ₹3084.46 lakhs (against the sanctioned provision of ₹4365.00 lakhs) was due to delay in delivery of CFRP tubes, postponement of fabrication of Mesh for antenna realization and shipment of TTCP systems to the next financial year.
- (c) “Indian Data Relay Satellite Series” - saving of ₹6850.17 lakhs (against the sanctioned

प्रावधान की तुलना में) एकीकरण फ़िक्चर के रिफ़्रिशमेंट कार्यकलापों को स्थगित किए जाने और टी. डब्ल्यू. टी. ए. और ई. ई. ई. स्मटकों की प्रदायगी में विलंब होने के कारण हुई।

provision of ₹12420.00 lakhs) was due to postponement of refurbishment activities of Integration fixtures and delay in delivery of TWTA and EEE components.

(घ) “तकनीकी प्रदर्शन स्पेसक्राफ़्ट – 01” – ₹4714.80 लाख की बचत (₹8315.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) परीक्षण उपकरणों की खरीद को स्थगित किए जाने और ई. ई. ई. और एस. पी. टी. संघटकों की प्रदायगी में विलंब होने के कारण हुई।

(d) “Technology Demonstration Spacecraft - 01” - saving of ₹4714.80 lakhs (against the sanctioned provision of ₹8315.00 lakhs) was due to postponement of procurement of test equipments and delay in delivery of EEE and SPT components.

(डा) “आवासन – इसरो के सभी केंद्रों में आवासन निर्माण कार्य” – ₹5705.93 लाख की बचत (₹6818.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) इसरो के सभी केंद्रों में आवासन के निर्माण कार्य की धीमी प्रगति होने के कारण हुई।

(E) “Housing - Housing Works at ISRO Centres” - saving of ₹5705.93 lakhs (against the sanctioned provision of ₹6818.00 lakhs) was due to slow progress of housing works across ISRO centres.

(III) उपर्युक्त तीन शीर्षों के अंतर्गत – ₹1305.37 लाख की बचत हुई जो प्रत्येक में ₹250.00 लाख से अधिक किंतु ₹500.00 लाख से कम थीं और स्वीकृत प्रावधान का 14 प्रतिशत से 53 प्रतिशत तक थीं।

(III) Under three heads savings of ₹1305.37 lakhs occurred, each exceeding ₹250.00 lakhs but not exceeding ₹500.00 lakhs and constituting 14 percent to 53 percent of the sanctioned provision.

2. उपर्युक्त बचतें मुख्य शीर्ष “5402” के अंतर्गत निम्नलिखित शीर्षों के तहत हुए अधिक व्यय द्वारा आंशिक रूप से प्रतिसंतुलित हो गईं:-

5. The above savings were partly offset by excess under Major Head “5402” - under the following heads:-

(का) “अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी पी. एस. एल. वी. कंटीनुएशन कार्यक्रम (फ़ेज 6)” – ₹5276.64 लाख का अधिक व्यय (₹39883.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) उद्योग से परिदान योग्य सामग्रियों की चालू प्रगति के आधार पर अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने और मोटर वाहनों की खरीद के लिए भुगतान के फ़ैलाव के कारण हुआ।

(A) “Space Technology - PSLV Continuation Programme (Phase-6)” - excess of ₹5276.64 lakhs (against the sanctioned provision of ₹39883.00 lakhs) was due to requirement of additional funds based on current progress of deliverables from industry and spill over payment for procurement of motor vehicles.

(खा) “अंतरिक्ष विज्ञान – चंद्रयान-III” – ₹561.56 लाख का अधिक व्यय (₹1875.70 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) परियोजना की आवश्यकता के आधार पर अवसंरचनागत आस्तियों के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(B) “Space Sciences - Chandrayaan-III” - excess of ₹561.56 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1875.70 lakhs) was due to requirement of additional funds towards infrastructural assets based on project requirement.